केंद्रीय विद्यालय सीतापुर

विषय : <u>दीप सज्जा, थाल सज्जा एवं रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन</u>

केंद्रीय विद्यालय सीतापुर में 'दीप सज्जा, थाल सज्जा एवं रंगोली प्रतियोगिता' का आयोजन पाठ्य सहगामी क्रियाओं के अंतर्गत किया गया | जिसमें छात्रों ने सदनवार बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया | प्राथमिक विभाग में रमन, टैगोर, शिवाजी एवं अशोक सदन के छात्र एवं छात्राओं ने आकर्षक रंगोली का निर्माण कर सबको प्रभावित किया | जिसमें टैगोर सदन प्रथम, अशोक व शिवाजी सदन समिल्लित रूप से द्वितीय स्थान एवं रमन सदन तीसरे स्थान पर रहा | वहीं माध्यमिक विभाग के बच्चों ने दीप सज्जा का उत्कृष्ठ नमूना प्रस्तुत किया और रमन, टैगोर एवं शिवाजी सदन क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान पर रहे |उच्च माध्यमिक विभाग के छात्रों ने भी 'थाल सज्जा प्रतियोगिता' में अपनी आकर्षक सजी थालियों से अद्भुत प्रतिभा का परिचय दिया एवं शिवाजी सदन ने प्रथम स्थान प्राप्त किया व रमन एवं टैगोर सदन क्रमशः द्वितीय व तृतीय स्थान पर रहे |

कार्यक्रम का सफल क्रियान्वयन एवं आयोजन श्री नवीन कुमार श्रीवास्तव एवं श्रीमती अंजली यादव के द्वारा किया गया | प्राचार्य ने सभी प्रतियोगिताओं में बनायीं गयी कृतियों का अवलोकन एवं प्रसंशा कर छात्रों को प्रोत्साहित किया |

दिनांक : 28.10.2016 प्राचार्य

केंद्रीय विद्यालय सीतापुर
प्रेस विज्ञप्ति

विषय : स्वतन्त्रता दिवस के पावन पर्व पर ऊँचे सपनों व ऊँची उडान का संकल्प

केंद्रीय विद्यालय सीतापुर में 15 अगस्त 2015 जोश, हर्षोल्लास एवं उत्साह से मनाया गया। विद्यालय की दोनों पालियों के छात्र, अध्यापक एवं कर्मचारी बृंद प्रातः 7 बजे राष्ट्रीय पर्व का साक्षी बनने हेतु विद्यालय पहुँचे, तैयारियों को अंतिम रूप दिया गया। छात्र-कर्मचारी सभी के चेहरे पर महान देश का नागरिक होने का गौरव और दिल की गहराइयों में गांधी, नेहरू, पटेल जैसे स्वतन्त्रता सेनानियों एवं अन्य लाखों-करोड़ों गुमनाम देशभक्त शहीदों के प्रति कृतज्ञता व सम्मान का भाव परिलक्षित हो रहा था। विद्यालय के प्राचार्य सुनील कुमार जी द्वारा ध्वजारोहण के साथ, लहराते हुए तिरंगे की शान में 1500 छात्रों ने जन-गण-मन की स्वर-लहरियों से गगन गुंजायमान किया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों की शुरूआत प्रथम पाली के छात्रों द्वारा "हम भारत के बच्चे" गाने पर नृत्य के साथ हुई, इसके बाद द्वितीय पाली के छात्रों ने "वीर जवानों भारत माँ" पर मनमोहक नृत्य प्रस्तुत किया। "कंधे से मिलते हैं कंधे", "सुनो गौर से दुनिया वालों" एवं " तेरा नाम है सांचा" गाने पर उर्जा व जोश से भरी प्रस्तुति ने सब का मन मोह लिया। इसके साथ ही देश की सांस्कृतिक विविधता को प्रदर्शित करती हुई अन्य अनेक मनमोहक व सराहनीय प्रस्तुतियाँ छात्रों द्वारा दी गई। छात्रों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक एवं रंगारंग कार्यक्रम की उपस्थित लोगों ने करतल ध्वनि के साथ सराहना की।

इस पावन पर्व पर सम्बोधित करते हुए विद्यालय के प्राचार्य सुनील कुमार ने स्वतन्त्रता के मूल्य, स्वतन्त्रता प्राप्ति हेतु देशवासियों द्वारा किये गये संघर्ष व बलिदान को रेखांकित किया। महात्मा गाँधी, पंडित जवाहर लाल नेहरू, सरदार बल्लभ भाई पटेल, भगत सिंह, चन्द्रशेखर आजाद जैसे पुरोधा सेनानियों के कार्यों व देशभक्ति की चर्चा करते हुए प्राचार्य ने छात्रों को इन महापुरूषों से सीखने व प्रेरित होने का आवाह्न किया। बदलते हुए आर्थिक युग में भी देश के प्रति अपने कर्तव्यों एवं दायित्वों के निर्वहन की अपील करते हुए छात्रों को एक समतामूलक विकासोन्मुख भारत के निर्माण के लिए प्रेरित किया।

प्राचार्य महोदय ने विद्यालय में किये गये ढांचागत विकास व सुधारों के बारे में बताते हुए नये फर्नीचरों की उपलब्धता को रेखांकित किया। साथ ही विद्यालय में जल की उपलब्धता को बढ़ाने हेतु इंडिया मार्का हैन्डपम्प तथा इलेक्ट्रिसिटी व्यवस्था को सुधारने के लिए एक अन्य 30 के. वी. के जेनसेट की स्थापना की उद्घोषणा की। इस अवसर पर अपने सम्बोधन में उपप्राचार्य संजय कुमार जी ने छात्रों द्वारा प्रस्तुत कार्यक्रम की सराहना करते हुये छात्रों से देश के आन-बान-शान हेतु अपना सर्वस्व न्यौछावर करने का आवाह्न किया। देशभक्ति को सर्वोत्तम गुण व आदर्श बताते हुये छात्रों से इसे आत्मसात करने की अपील की। स्वतन्त्रता दिवस कार्यक्रम का संचालन संजीव कुमार राय एवं उषा पाल द्वारा किया गया। छात्रों को मिष्ठान वितरण के साथ ही कार्यक्रम का समापन हुआ।

(सुनील कुमार)
प्राचार्य

केंद्रीय विद्यालय सीतापुर
प्रेस विज्ञप्ति

विषय : विद्यालय में मनाया गया राष्ट्रीय सुदूर संवेदन दिवस

केंद्रीय विद्यालय सीतापुर में 12 अगस्त 2015 को भारत के महान वैज्ञानिक और भारतीय अन्तरिक्ष कार्यक्रम के जनक डा० विक्रम अम्बालाल साराभाई के जन्म दिन को राष्ट्रीय सुदूर संवेदन दिवस (National Remote Sensing Day) के रूप में मनाया गया. कार्यक्रम का शुभाम्भ विद्यालय के प्राचार्य श्री सुनील कुमार तथा उप प्राचार्य श्री एस.के शर्मा द्वारा विक्रम साराभाई के चित्र पर माल्यार्पण के साथ हुआ। कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए विद्यालय के शिक्षक श्री नवीन कुमार श्रीवास्तव ने सुदूर संवेदन तकनीक और इसके महत्व पर प्रकाश डाला। कक्षा 11 ब की छात्रा आलिया फिरदौस और श्रेया तिवारी कक्षा 10 अ द्वारा डा० विक्रम अम्बालाल साराभाई के जीवन वृत्त एवं कार्यों पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर विद्यालय में विभिन्न प्रतियोगिताओं जैसे रिमोट सेंसिग पर क्विज, जल प्रबंधन में सुदूर संवेदन की उपयोगिता विषय पर भाषण आदि का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन विद्यालय के शिक्षक श्री नीलेश मिश्रा द्वारा किया गया, जिन्होने रिमोट सेन्सिंग के वर्तमान युग में महत्व को रेखांकित किया। अंत में प्राचार्य महोदय ने सम्पूर्ण

कार्यक्रम की समीक्षा करते हुये डिजिटल इंडिया की आवश्यकता और रिमोट सेन्सिंग के दैनिक जीवन में उपयोग पर चर्चा करते हुए छात्रों को डा० विक्रम अम्बालाल साराभाई के जीवन से प्रेरणा लेने तथा वैज्ञानिक सोच विकसित करने हेतु अभिप्रेरित किया । कार्यक्रम का समापन विद्यालय के शिक्षक श्री संजीव राय द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ ।

प्राचार्य
(सुनील कुमार)

VIKRAM AMBALAL SARABHAI

विद्यालय आपकी सम्पत्ति है, इसकी सुरक्षा कीजिए।
THE VIDYALYA IS YOUR PROPERTY GUARD IT